# ALL NATIONS GOSPEL PUBLISHERS

Copyright ANGP

www.angp-hb.co.za

info@angp.co.za

# THE HEART OF MAN

## OR

# THE SPIRITUAL HEART MIRROR

(An Allegorical Representation in Ten Pictures)

This booklet originated in France in 1732, was revised and re-written for the mission fields of Africa by Rev. J.R. Gschwend in 1929, and has subsequently been translated and printed under copyright in over 250 indigenous languages by All Nations Gospel Publishers who are distributing it today in 127 mission countries. People of all languages, classes and religions are being led by this booklet to experience the deep spiritual truth and significance of God's message to mankind as expressed by the prophet Ezekiel 586 years before Christ, "I will give you a new heart and a new mind .... then you will be my people, and I will be your God!" Ezekiel 36:26-28.

COPYRIGHT

**ISBN 1 - 874934 - 10 - X**

**ALL NATIONS GOSPEL PUBLISHERS**
**P.O. Box 2191, PRETORIA, 0001, R.S.A.**
(A Gospel Literature Mission financed by donations)
(Reg. No. 1961/001798/08)

"Whoever sins is guilty of breaking God's law, because sin is a breaking of the law".

"You know that Christ appeared in order to take away sins, and that there is no sin in Him".

"So everyone who lives in union with Christ does not continue to sin; but whoever continues to sin has never seen Him or known Him".

"Let no one deceive you, my children! Whoever does what is right is righteous, just as Christ is righteous".

"Whoever continues to sin belongs to the devil, because the devil has sinned from the very beginning. The Son of God appeared for this very reason, to destroy what the devil had done".

"Whoever is a child of God does not continue to sin, for God's very nature is in him; and because God is his Father, he cannot continue to sin".

"This is the clear difference between God's children and the devil's children: anyone who does not do what is right or does not love his brother is not God's child".

(1 John 3:4–10).

Copyright ANGP

# आदमी का दिल

# मनुश्य का हृदय

### भगवान का मंदिर - शैतान का कारखाना

(१ जॅन 3 : 4 – 10)

यह किताब एक अएना है जिस में तुम अपने चेहरे को देख सकोगे। यदि मन में उस किताबी आयने को रख कर पढो। तुम यदि ईसाई हो या कोई और धर्म के अनुयायी या तुम भगवान् में विश्वास करते हो या नास्तिक।

मनुष्य बाहरी आकार को देखता है। ईश्वर हृदय को देखता है। (1 सैम 16.7) ईश्वर मनुष्य का आदर नही करता है।

शैतान झूठ बोलने वाले का पिता हैं। शैतान अंधकार का राजकुमार है और इस संसार का ईश्वर हैं और अपने को देवदूत पैगम्बर में बदलकर आदमी औरतों को धोखा दिया करता हैं। अनेक शैतान के दोस्त और धोखाधड़ी करने वाले लोग है। जो प्रभु ईशु के दूत अपने को कहते हैं। उसमें कोई अचरज नहीं है। क्यों कि शैतान स्वयं मेढा बदल कर प्रकाश का दूत बन जाता है। (२ सम्बन्ध ११ : १३, १४) शैतान जो इस दुनिया का भगवान बन फिरता है। यहाँ के लोगों के आंख और दिमाग को अंन्धा कर देता हैं जिससे

Copyright AIGP

आम आदमी ईश्वर को देख नहीं सकता है। ईशु जो कि आदमी के पापों के लिये मर गये (मौत को पाया) सारे पापी और अविश्वासी ईश्वर (के प्रति) कीं तरफ अंन्धे होगये हैं। और शैतान जो कि इस संसार के लोगों का भगवान हैं। शैतान द्वारा शासित हैं। (इ. पह 2:2) अगर ऐसे लोगों को नही जगाया जाय, उनकी वर्तमान स्थिति से तो वे अपने परलोक का सत्यानाश कर ड़ालेंगे। उनको किसी तरह से जगाकर उनके असली रूप से परिचित कराया जाय। जो कहते हैं कि मेरे पास एक भी पाप नहीं है। वह अपने को धोखा दे रहा है।

इस काम के लिये ईश्वर का (पुत्र) बेटा इस संसार में आया और वह शैतान के सारे कामों को बरबाद कर डालेगा। (१ जांन ३:८) "अपने को दे डालों (अर्पण) भगवान को। भूत से अपने को बचाओ। वह तुमसे दूर भाग जायेगा और भगवान के नजदीक पहुँचोगे। (जेम्स 4:8.7) जैसे जैसे इस किताब को पढ़ते जाओगे तुम अपने स्वयं के हृदय को (पहिचान) छीन सकोगे। भगवान के प्रेम प्रकाश के मशाल में अपने राह को जो तुम्हारे हृदय तक जाती ही पहिचानो। अपने पापों को मानों (स्वीकार करो) और अपने उपस्थिति में मना मत करो। भगवान के लिये यदि तुम अपने को पाप के बिना कहते हो तो अपने को ही धोखा देरहे हो और सत्य से तुम रीहत हो। तुम में सचाई नही हैं। पर हम अपने पापों को कबूल करलें तो ईश्वर

Copyright ANOP

हमें माफी बरतेगा हमारे पापों के लिये और हमें प्यारी गलतियों से साफ करदेगा। (जॉन 1 : 1–10)

"प्रभु ईशु का खून, हमें हमारे सारे पापों को धो देगा।"

तुम चाहे शैतान से शासित हो चाहे भगवान से पाप के गुलाम हुवा। शैतान भगवान का नैकर हुवे है। जादि पाप का राज हो तुभामा पे; नाही न कर मान लेवो और भगवान का नाम लेनेका भगवान ही तुमका घुटा सकित है। प्रभु ईशु के घाथों। वो जो इस संसार में आये हैं हम सब पापिन को बचाने वास्ते और शैतान का ताकत छकने टुटाने। यूंही हमारा भला करने बाले धेवे हैं। तुम भमवान के उपस्थित में हो वो प्रभु हमारे-सारे रहस्यों को जानते हैं। हमारा विचार और जौनो काम हम जीवन में करे हैं। वो जो हमारे कान दीन है। हमारा हुवा न सुने हैं। वे जो हमें आंख दीन है का हमारा परिस्थिति न देखे हैं।

भगवान का आँखों से कुध बचा नहीं हैं। सारा कुछ इस दुनियों को देखे हैं। और आपन शक्ति को इस सारे दुनिया को दिखाये के हैं। जिनका मन उनके भगवान की तरफ साफ हैं। यानि भगवान में श्रद्धा रखे हैं। (जॉन 34 : 21, 22)

परन्तु प्रभु ईशु स्वयं कुछ नहीं करना चाहते थे क्योंकि वे सारे मनुष्यों को पहचानते तथा समझते थे।

इसलिये वह आदमी जो दूसरों को उनकी गल्तियों को माफ करता हैं। उसको ईश्वर का अर्शीवाद प्राप्त है वह मनुष्य

Copyright ANCP

महान है जिसके भगवान का आर्शीवाद मिला हैं। जिसकी आत्म परिशुद्द पाक साफ हैं। कोई दाग धब्बा नहीं हैं। (Psalm 32. 1, 2) (Psalm 51 को पढ़ो) प्रभु ईशु आज भी पुकार रहे हैं। "कि सारे मानव गरीब और हीरे जवाहरातों से मेरे पूरे, मेरे पास आओं में तुम्हें शान्ति और आराम दूंगा (मात Matt 11 : 28. 30)

## पहले चित्र की व्याख्या :

## प्रथम चित्र या पहला तस्वीर

यह चित्र या पटल साधारण, और पाप कृत्यों को करने वाले (स्त्री या पुरुष) औरत या मर्द का है। जिसमें यह दिखाया गया हैं। जिसकी आत्मा को उस (प्रपंच) दुनिया का रूख चलाता हैं। जिसमें शरीर की भूख और संसारी इच्छायें भर पूर हैं। यह चित्र सही मायले में जैसा हैं। जैसा कि भगवान इसे देखता हैं। लाल लाल आँखे शराबीपन को दिखलाती है। नशा है तो संसारी आशाभोष आँखों की लाली का वर्णन इस प्रकार किया गया हैं। मुहावरों में 23.29–33 कि जिसको (मनुष्य) को दुवा हैं। जिसको कि जिसमें आशाओं का उबाल हैं। जिसको कि बिना कारणों के घाव हैं। जिसके आँखों में लाली है। वे शराब के लिये उतावले हो रहे हैं। और मिश्रण शराब या मिश्रित शराब के पाते हैं। और उसके

Copyright ANGP

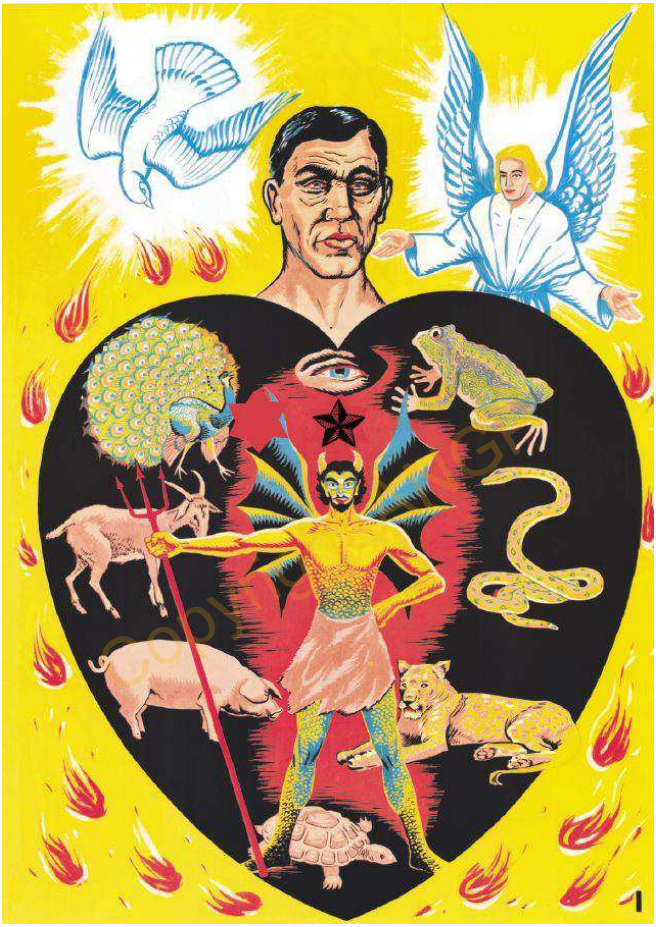

# पापी हृदय

लाल रंग को नहीं देखते (बुराई को नहीं देखते) और शराब को पी डालते हैं। और वही शराब उसे एक साँप की तरह डस

लेता हैं जैसे कामी व्यक्ति पराई औरतों को बुरी नजर से देखा करता हैं। और सारे विकारों से उसका मन सदा व्याकुल रहता हैं।

सर से नीचे के चित्र में मनुष्य का हृदय अनेक पशुओं के सिरों का चित्र जो कि विभिन्न पापों के प्रतिरूप हैं। मनुष्य का हृदय ही सारे पापों का ढ्राकव रूप हैं। प्रभु ईशु! अपने दूत जेरमाह के मुख कहलाते है कि सारी वस्तुओं में हृदय की बडा धोखेबाज हैं और अत्यन्त दुख प्रकार का है कौन उसे पहचान सकता हैं। जेरमाह 17 : 9) प्रभु ईशु स्वयं इस बात को प्रमाणित करते हैं। "मनुष्य के हृदय के अन्दर से दुख और बुरे विचार, बलात्कार चोरी हत्या, बात को बदलना दगा देना, धोका देना मद और गर्व मूर्खता ये सभी बाते मनुष्य के अन्दर से दी उत्पन्न होती हैं जनम लेती हैं।

1) **मोर** :– मोर सुन्दरता का उपमान है। परन्तु मानव हृदय में यह घमण्ड का प्रतिपादन करता हैं। (प्रतिनिधित्व) लूसीफ़र, एक समय भगवान् के मशाल को उढ़ाने वाला, देवदूत अपने घमण्ड़ से भगवान का दुश्मन बनगया था– जिसे हम शैतान/राक्षस कह सक्ते है। (ईसायह 14 : 9 17) (सेजेकिल 28 : 12–17)

छमण्ड नरक रूपी कुँयें से पैदा होता है। कुछ (आदमी) लोग अपने अमीरी पर घमंण्ड़ करते हैं। तो कुछ लोग अपनी पढ़ाईका, कुछ अपने शरीर को फैशाने बल कक्षों में प्रदर्शन

करते हैं, बेशरमी से वे अपने वजनी जेबसे, चूड़ियों, अँगूठियाँ पहन कर प्रदर्शन करती हैं तथा प्रसन्न होती हैं जैसाकि ईसायह 3 : 17–24, कुछ अपने दादों परदादों पूर्वजों, अपनी जातियता, संस्कृति खेल आदि पर गर्व करते हैं। वे भूल जाते हैं ईश्वर गर्व को रोकते हैं और विनय को प्रोत्साहित करते है। (1 पीटर 5 : 5) ईश्वर घमंण्ड और बेपरवाही मूर्खता को धृणा करते हैं। (मुहावरे 8 : 13) घमंड विनाश के पहले आता है और पतन के पहले की चमक है। (मुहावरे 16 : 18)

2) **बकरा :–** यह संसारिक काम, वासना का प्रतिनिधित्व करता है। चोरी, मिलावट, बलात्कार, धोखा खड़ी आदि इस युग में बढ़ते हुये पाप हैं और इतना अधिक बढ़े हुये हैं कि हमें प्रभु ईशु के कहे सच्चाई को मानना पडेगा। ईशु ने जब 2000 (दो हजार) साल पहले ही भविष्य वाणी की आखिरी साल इस कल युग के सोदाम और गोमोराह की तरह होंगे। ये आधुनिक तत्व जो चारों तरफ छाया हुवा है और सारे औरत आदमियों में भरा पड़ा है यहाँ तक कि धर्म के स्थानों और धार्मिक संस्थाओं, स्कूल, छात्रवास सभी जगह बुराई और गिरावट का बीज बड़ी बेशरमी से बोया गया है। सारे मानव जाति को बिगाड़ने के लिये सिनेमा, थियेटर, अपढनीय कामुक पुस्तके तथा साहित्य और अन्य कई प्रकार के साधन उपलब्ध हैं। भगवान कहते हैं कि पाप को ही आधुनिकता के आदर्श का नाम दिया

Copyright ANGP

गया है। सिनेमा और पुस्कों से आदर्श जीवन जीने का प्रयत्न (कोशिश) करते हैं। परन्तु कष्टों परेशानियों में उलझ जाते है। चरित्र हीन अभिनेता और अभिनेत्रियाँ साधारण जन के पूजा पात्र तथा आदर्श बन जाते हैं। नयी पीढी के लिये क्लब और होटल आम तौर पर पाप के जन्मस्थान बन रहे हैं। ईश्वर के नायक और आदर्श पुरुष जैसे जोसेफ (जेनेसिस 35) जो पवित्रता के प्रतिरूप हैं उनका उदाहरण नही दिया जाता है।

मौत के बाद जब आत्मा का न्याय होता है तब भी जुलू हीथेन (जो कि बलात्कारी स्त्री तथा पुरुषों को मृत्यु दण्ड दिया था।) कम से कम अपने आधुनिक संस्कृति के लोगों को जुलू का उदाहरण देकर समझाया जा सकता है कि बलात्कार करना बुरी बात है। जिसकी सजा केवल मौत है। जिससे आने वाली पीढी को अच्छे बुरे बताने की पहिचान हो। भगवान हमसे कहते हैं कि वासना को खेल न समझ वरन् उससे दूर रहें सदा परे रहने की चेष्टा करे। क्यों कि मनुष्य जितने भी पाप करता है बिना शरोर के परंतु बलात्कार वह अपने शरीर के साथ करता हैं। क्या तुम्हें मालूम नहीं कि तुम्हारा शरीर पवित्र आत्म (प्रेत) का मंदिर है। और उस शरीर पर तुम्हारा कोई अधिकार नहीं है। क्यों कि यह उस ईश्वर के अंश का ही घर है। (1 कोर 6 : 18 : 19) यदि कोई औरत या मर्द भगवान के (घर) मंन्दिर को अपवित्र करें अपने गन्दे कामों से तो भगवान उस मनुष्य का सर्वनाश कर डालेगा।

Copyright ANEB

क्यों कि अपवित्रता का मंन्दिर में कोई काम नहीं। यह वह मंन्दिर है जहाँ मनुष्य भी रहता है। (1 कोर 3 : 17)

3) **सुअर** :– यह मनुष्य के शराबीपन नशाखोरी तथा ज्यादा लालची और खाऊ व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। यह एक बहुत ही गंन्दा जानवर है। उसके रास्ते में आये हुये उसे बिना देखे खाता फेंकता चला जाता है और पापी हृदय बुरे प्रस्तावों को आसानी से मानता, गन्दे चित्रों को देखता गन्दी इच्छाओं को पालन करता चला जाता है। गन्दे साहित्य को पढता रहता है। शरीर का लक्ष्य उसे पवित्र रखना है। क्योंकि शरीर के अंदर जीते जागते भगवान का निवास है। यह मंदिर तम्बाकू चबाने से, गन्दी आदतें जैसे धूम्रपान अफीम का सेवन, नशीली दवाइयों के सेवन में मन्दिर बरबाद हो जाता है। इसकी पवित्रता नष्ट हो जाती है। आजकल अफीम ने औरतों और आदमियो को अपने चपेट में जबरदस्ती ले लिया है। केवल भगवान ही इन बिचारे मनुष्यों को छुड़ा सकते हैं। जो अत्यन्त धार्मिक हैं वे भी गिरजाधर के बगीचे में सिगरेट पीने से नहीं कतराते और शरीर रूपी इस मन्दिर को अपवित्र करते हैं। देवदूत पॉल कहते हैं कि यह शरीर पवित्र आत्मा का मन्दिर है। जो उसे गन्दा करता है, ईश्वर उसे बरबाद करते हैं। (1 कोर 3 : 16, 17; 6, 18, 19).

जो व्यक्ति लालची और खाऊ हैं उसे भी भगवान की दृष्टि में मुक्ति नहीं है। हम जीने के लिये या जिन्दा रहने

Copyright ANCP

के लिये खाते हैं , हम खाने के लिये नही जीवित हैं। भूख भरपेट खाने से (भोजन) मिटाई जासकती हैं। परन्तु लालच और दो और दो कहती हैं।

वस्तुओं की भूख लालच कभी भी खतम नही होती है। पुराने टेस्टामेंट के नियमानुसार पीने वाले को यानी शराबी को पत्थर मार कर मार ड़ालना चाहिए (डेऊट 21 : 18-21) पीने वाला तथा अधिक भोजन करने वाला लालची मनुष्य दरिद्रता की ओर जाते हैं। और उन्हे नशे की नींद लूटने वाले को फटे चीथडों में लपेटना चाहिए। ईश्वर वह सदा अच्छे नियमपूर्वक रहने वाले व्यक्ति का साथी और पिता समान रहता है। (मुहावरा 23 : 21; मुहावरा 28 : 7) याद राखिये कि जो व्यक्ति अमीर और धनवान हैं। परन्तु बहुत लालची हैं। अधिक खाने वाला है। और अपनी गन्दी इच्छाओं के गुलाम हैं।

मौत के बाद जब नरक में (वासनाओं) अपनी आँखे खोलेगा जहाँ वर्णनातीत दृश्य को देखकर शराब के देव (दुष्टात्मा) जिसका जिक्र करना बेकार हैं। ईश्वर ने स्वयं कहा है कि कोई भी शराबी देवसाम्राज्य का उत्तराधिकार नही हो सकता हैं। बीयर जौ की शराब भोजन नहीं बल्कि भयंकर सजा है। यह शराब मन को असमंजस में डालती है। और मनुष्य अन्यायी है वे आदर्शहीन, और हत्या करने को भी झिझकते नही क्योंकि शराब चिढानेवाला (मुहा 20 : 1) जो व्यक्ति तेज शराब

Copyright ANCP

को बनाते तथा बेचते हैं वे भी पापी हैं। भगवान के दरबार में क्यों कि ईश्वर स्वयं कहते हैं। घोर कष्ट उन लोगों पर इट पडेगे जो कि शराब का सेवन करते हैं। (ईसाह 5 : 22) उन लोगों पर भी कष्टों के पहाड टूट पडेंगे जो अपने पडोसियों, साथियों को पीने की आदत डालते हैं और शराब की बोतल उन्हें देते हैं। (धब 2 : 15) ऐसे लोग अपने दावतों में अति मधुर वाद्य जैसे वायलीन हार्प (सारंगी जैसा यंत्र) और शहनाई जैसे पवित्र वाधों का उपयोग करते हैं जिससे अत्यन्त सुन्दर संगीत उत्पन्न होता है। परन्तु यह संगीत ईश्वर को प्रसन्न करने वाला तथा योग्य नहीं है। (ईसाह 5 : 12) कभी उस भ्रम में न पडें कि जो व्यक्ति आदर्श हीन, नीच, बलात्कारी, व्यभिचारी चोर, पैसे का हेरा फेरी करने वाला है कभी भी ईश्वर के राज्य में नहीं पा सकता है। (1 कोर 6 : 7, 10)

संसारिक पाप जो कि आदमी में स्वभाविक रूप से रहते है। जैसे अपवित्रता बेईमानी, असभ्यता मूर्ति पूजा, झगड़ना ईर्ष्या, द्वेष वासना को प्रकट करना, दुश्मनी भेद भाव मत भेद उत्पन्न करना, शराबीपन, बदला लेना आदि गुण वाले आदमियों को ईश्वर के साम्राज्य में कोई स्थान नही है। (गाल 5 : 18, 21) शराब को मत पिओ उसके बदले पवित्र आत्मा यानि ईश्वर के रूप से मन को भर डालो। प्रभु ईशु, ईश्वर के प्रेम के प्यासों को इस प्रकार आमंत्रित करते हैं। यदि कोई प्यासा है, सीधे मेरे पास आजाइए और ईश्वर दया के प्रेम को निःशुल्क प्राप्त कर डालें। (आइजक 55 : 1)

Copyright ANCR

जो कोई भी पानी पीता है मैं उस अमर स्रोत से पानी दूँगा (जान 4 : 24)

4) क्रोध : यह तंत्र योग, शैतान के काम, भूतों की विद्या आदि का प्रतीक है "जो उसके साथ नहीं आना चाहता है। उसे वह मारना चाहता है। (कहावत 29,25,26)

जोशवा ने इसराइल के बच्चों से कहा" भूमि के लिये इतना पागल न बनो।" मानव स्वभाव ईश्वरीय कार्य के लिये बहुत आलसी है ईसा ने कहा "सीधे द्वार में पहुँचने का प्रयत्न करो। (लूक 13,24) "वह जो ढूंढ़ता है उसे पाता है" "स्वर्ग का राज्य हिंसा से दुःखी हो और हिंसा को दूर करना है।"

मोक्ष के लिये आलस्य आध्यात्मिक जीवन में मृत्यु की ओर ले जाना है। वह ईश्वर से प्रार्थना करने से दूर रखता है। वह प्रभु संपत्ति का वादे करते हुए नाश की ओर ले जाता है। भगवान तुम्हारे दिल को आज देने के लिये कहता है। वही दैत्य बाद में या कल देने के लिये कहता है और वह दिन कभी नहीं आता है। बिना मुक्ति और ईसा के बिना मरजाता है। "आज तुम अपने दिल की आवाज को सुनो तो वह कभी कड़ा नहीं होगा। (हिबू 3, 6,2) कितने ही लोग समय का इंतजार करते हुए मर जाते हैं और वह दिन कभी नहीं आता है आज तुम्हारा है कल तुम्हारा नहीं है।

Copyright AIOP

कछुआ का कवच तांत्रिकों द्वारा उपयोग करते हैं। लोक तंत्र विद्या भूत विद्या में भविष्य दिखाने के समय धन नष्ट करते हैं। लेकिन प्रत्यक्ष ईश्वर में विश्बास नहीं रखते हैं। बुरे समय (दुःख में) ईश्वर से प्रार्थना करने को कहते हैं। जो प्रतिदिन प्रभु की आज्ञा का पालन करता है। (पास्म 36, 23)"

"अगर कोई बीमार है तो प्रभु का प्रार्थना करो, गिरजा घर के पादरी को बुलवा कर कुछ प्रार्थना करो ईसा जरूर सहायता करें अगर पाप किया है तो पाप को एक दूसरे के सामने कह डालो वह तुम्हें क्षमा करेगा। तुम्हारा दुःख दूर होगा। (जेन्स 5 : 14 : 16)

उद्धार पूरब पश्चिम उत्तर दक्षिण से नही प्रभु से होता है। (पास्म 75 : 6,7)

"प्रभु ने इसराइल के बच्चों से कहा" चाहे पुत्र होगा पुत्री जो अच्छे कर्म करता है या तंत्र, भूत विद्या, आदि का अभ्यास करता है सभी को आग से उतरना पडता है मृत्यु को प्राप्त होना पड़ता है। (डीभूट 18,10,12) "ईश्वरीय राज्य के बाहर कई जादूगर, हंतक, मूर्तिपूजक भविष्य बताने वाले जो सभी झूठे हैं। (रिलिवेशन 22 : 15) "तुम कभी ज्योतिष के पास आत्मा या भूतों के पास मत जाओ वे सभी तुम्हें धोखा देंगे। वे हर समय तुम्हारे प्रभु कहेंगे लेकिन उनके पास प्रकाश नही है। उनके चंगुल में न फँसो। (आइजक 8 : 19,20)

Copyright ANCP

जब तुम इस पुस्तक को पढ़ते हो तो भगवान तुमसे कहता है। तुम समर्पण करो, तुम पापों को बताओ लेकिन कछुआ की आत्मा जो तुम्हारे अंदर है वह कहती है भगवान के वचनों को न मानो। कल मानो। तुम्हारे दिल में डर भर देता है।

" मेरे आदमी कहते है मैं एक सच्चा ईसाई हूं। अगर मैं नाच, गानों, सांसारिक सुखों में भाग नहीं लूँगा तो क्या होगा ? जब ईसा तुम्हारे अंदर प्रवेश करेंगे तो भय और मृत्यु का भय दूर होगा। परंतु ईसा के द्वारा मृत्यु का भय दिखा कर हर समय गुलाम बनाते है। तुम्हारे दिल को कछुआ के कवच की तरह कड़ा बना देता है। सच्चे मार्ग से दूर ले जाता है।

5) चीता एक क्रूर और भयंकर जानवर है। जो क्रोध बुरा बर्ताव, घृणा आदि का प्रतीक है। जो तुम्हारे दिल पर अधिकार करता है। ईसा कहता है तुम्हारा क्रोध तुम्हारे आँखों मे न दिखे। जन 45 : 5 "क्रोध को दूर करो जिससे कोई पाप काम नही" जनरल 45 : 5 पस्म 37 : 4।

"घृणा क्रूर है। क्रोध आवेश के साथ आता है जो ईर्ष्या के सामने खड़ा हो सकता है। (प्रावे 27 : 4)क्रोध मूर्खों के अंक में रहता है इसलिये क्रोध को दूर करो।" (ईल 7 : 8; 11 : 10) इसलिये समस्त क्रोध को दूर करो (काल 3 : 8) कई कायर लोग बुरे काम या बदला लेने के लिये पीते हैं। परंतु " उनका पिया हुआ शराब विष बन जाता है। विष

Copyright ANCP

जंतु का विष बन जाता है। (ड्यट 32 : 33) पापी हृदय के लिये बदला एक मिठाई की तरह है। लेकिन भगवान हमारे पापों का शिक्षक है। ईसा ने कहा, "तुम अपने पडोसी से प्रेम करो जैसे तुम अपने से प्रेम करते हो।" और "अपने शत्रुओं से प्रेम करो" भगवान हमारे पापों को क्षमा करता है। अगर हम उन्हें माफ करें जैसे राहगीर रुक दूसरे से करता हैं। एक पापी, निकृष्ट आत्मा भी उसी प्रकार खुदा के सामने क्षमा के काबिल है। बुरी निगाह, युद्धक्षेत्र मैं रक्तपात आदि संसार में है, परंतु वास्तव में सच्चा अमन हृदय में रहता है।

6) **साँप** :– साँप ही ईडन के बगीचे में ईव को धोखा दिया और प्रभु संबंध से अलग रखा। शैतान ने देखा कि आदम और ईव बहुत ही मोहब्बत के साथ जीवन बिता रहे हैं, तो ईर्ष्या से लूसीफर का जगह ले लिया। शैतान उन दोनों के प्रेम और समझौते को तोड दिया खुदा से भी संबंध भी हटा दिया। वही ईर्ष्या मनुष्यों के हृदयों में प्रवेश करके उन्हें सुख से नहीं जीने देता है। किसी को उन्नति शील और खुशी से रहते नहीं देख सकता है। ईर्ष्या क्रब की तरह क्रूर है" (गीत सोलमन 8 : 6) "यह मनुष्य के दिल में बुरे विचारों को जन्म देता है और जान लेने में भी नही हिचकिचाता है। यह अकसर शादी शुदा लोगों में होता है। सभी व्यापारियों में यह ईर्ष्या दुःख देता है। यह ईसाइयों और पादरियों और मंत्रियोंमें भी होता

Copyright ANGP

है। जो अपने को ही भगवान के सेवक या नौकर मानते हैं। वे लगातार अच्छे विचारों के सहारे हढ़ रह सकते हैं।" वह प्रेम जो हमारे हृदय में जो पवित्र प्राण द्वारा प्रतिष्ठित है वे अपने ईर्ष्या के बुरे विचारों से दूर रहें।

7) **मेढ़क** :– मेढ़क जो भूमि पर रहता है लालच और दौलत के मोह में सभी पापों को कराता है जो सब बुराइयों का मूल है। (1 टिम 6 : 10) कुछ काँगों के मेढ़क कई चींटियों को खाते हैं जब तक मर नहीं जाते। लालची आदमी गरीबों की सहायता दौलत से नहीं करना चाहता है वह अन्धे बुरे सभी साधनों से धन को दौलत को जमा करता है। जिसे वह कहीं भी नहीं ले जा सकता है। ईसा ने खुद कहा" तुम ऐसा धन इस जमीन पर न कमाओ जो किसी के काम का न हो जिसे चोर चुरा लें, जो तुम्हें बुराई के मार्ग में ले जाता है। तुम स्वर्गीय या जन्नत के दौलत के लिये प्रयास करो जिसे न चोर चुरा सकता है जो तुम्हारे दिल में है।" (माट 6 : 19, 22) अचन और उसके घरवाले सोना, चाँदी और रत्नों से प्रेम किया और वे नष्ट होगये" (जोशवा 7) जूदास इसकरेट और उसके साथी और ईसा केवल दौलत के लिये शूली पर चढ़ा दिये गये। यह बुराई का फल है। केवल सोना दौलत से प्रेम ही नहीं है जो मनुष्यों के दिलों में है।

हजारों लोग जल्दी ही धनवान या अमीर बन जाना चाहते हैं। किसी जुआ या घोड़े या कुत्ते के दौड द्वारा और अपना पारिवारिक जीवन बरबाद कर लेते हैं। बिना मेहनत के

अमीर बनने की ख्वाइश खुदकुशी, जान से मारना या चोरी करना आदि को खोलती हैं। दौलत से प्रेम और लालच के कई साथी है। जैसे यश प्राप्त करना, राजनैतिक नेता बनना गरीबों को कष्ट देना, धार्मिक बल जैसे भगवान से सबध बढाने के बजाय गिरजा घर के कामों से अधिक संबंधित है। एक साधु की निंदा करना और उसके मार्ग गिरजा घर की निंदा करना आदि है। (मार्क 9 : 38) ईसा ने कहा," तुम सही मार्ग ढूंढो उसके पाज बहुत सी वस्तुएँ हैं। धनी आदमी ने बहुत सारी जमीन खरीद ली। वह अपने फलों और सामान को रखने के लिये बहुत बड़ा घर बनाया और आत्मा से कहा तुम्हें कई साल तक खाने के लिये फल और सामान रखा है। परंतु भगवान ने उससे कहा है गर्व आज तुम्हारी आत्मा को बुलाया है। तब वे फल और समान कौन आयेगा। तुमने भगवान के लिये दौलत नहीं इकठ्ठा किया" (लूंक 12 16-21)।

"वह आत्मा को खो कर ससार की सारी दोलत एकत्रित करने से क्या फायदा उस आदमी को हुआ ?" (मार्क 8 : 36)

"तुम अपने लिये कुछ मत सोचो क्या खाते हो, तुम्हारा शरीर क्या है—भगवान के राज के बारे में सोचो वही तुम्हारा धन है, वही तुम्हारा दिल है। (लूक 12, 22, 34)

**8) शैतान** :– शैतान सभो पापों को करने को प्रेरणा देता है। झूठ का बाप है और दिल का शासक है ईसा ने कहा, "वही बुराई का पिता है। वासना का पिता है वही लोंगो को

मारने वाला है। उसका घर सत्य में वहीं है। वह मुह खालता है झूठ बोलता है। वह झूठ का पिता है (जान 8 : 44) एक छोटा झूठ भी बडे झूठ के समान है। यहाँ पर झूठ बोला जाता है लिखा जाता है नाटक भी करते है। एक शासक झूठा है वह वैसा बर्ताव करता है जो वह नहीं है। वह भगवान सें झूठ नहीं कह सकता है। वह ईसाई भी नहीं है (टोटस 1 :2) "अगर वह कहता है कि मेरा भगवान के साथ संबंध है। अंधेरे में चलता है हम झूठ बोलते हैं। लेकिन सच्चाई नहीं।" (1 जान 1 : 6) उनके लिये कुत्ते, परस्त्री गमन, झूठैले, हंतक और मूर्ति पूजक है। जिनसे वे प्रेम करते है, और झूठ बोलते है। भगवान झूठ बोलने वाले से धृणा करता है। (प्रोवर्ब कहावत 6 : 19)

9) **तारा :–** यह दिल की आवाज या विवेक है। जो प्रत्येक आदमी में होता है। लेकिन वह लगातार बुरे कामों से अंधा और भटकजाता है और वह अपने कामों उचित या अनुचित नहीं सोच पाता है। बुराई कभी शांत रूप में होती है। और कभी तंग करती है। जब दोषी ठहराना होता है तो क्षमा करता है। आदमी के अंदर विश्वास आत्मा को दूर करना, शैतान के सिद्धांत और एक अहंकार वादी झूठ बोलता है। (1 टिम 4 : 1, 2; हिब्रू 10 : 20)

10) **आँख :–** भगवान हृदय में होने वाले सभी बातों को देखता है। उससे कुछ भी छिपा, नहीं सकते हैं। वह मन के सभी विचार, इच्छा को देखता है। तुम चाहे बुरे कामों

Copyright Anugrah

को अंधकार में करो और जहाँ भी करो भगवान खुद देखता है। इस चित्र में आदमी का आँख यही देखता है वह आदमी के चेहरे पता चलता है।

**11) आग के जीभ :–** एक पापी हृदय के चारों तरफ भगवान के प्रेम रूपी आग के लपक हैं। जो पाप से घृणा करता है वह आदमी से प्रेम करता है। उसे पाप करते हुए मौत को प्राप्त करना नहीं चाहता है। वह पश्चाताप करके जिंदा रहता है। ईसा पापियों को बचाने के लिये आया है। स्वर्ग का आनंद बहुत बड़ा है। पापी पश्चाताप करता है। छोटे छोटे जीभ यह बतलाते हैं कि ये ईसा का खून है। "यह बकरे का बच्चा भगवान का है जो दुनिया से पाप को हटाता है।"

**12) देव परी :–** देव परी भगवान के वचन का संकेत है वह पापी आदमी या औरत के हृदय के अंदर खुदा के लिये मोहब्बत को जगाना चाहती है जिससे उसके दिल में खुदा का वास हो।

**13) कबूतर :–** यह चित्र तुम्हारे दिल के दशा को बत्लाता है। तुम खुदा के लिये चिल्लाओ, अपने दिल को खुदा के लिये खोलो। उसके प्रकाश को अपने दिल में आने दो। "ईसा में विश्वास रखो जिसने तुम्हें बचाया है।" भगवान तुम्हारे उद्धार के लिये इच्छुक है। प्रभु तुम्हारे दिल को बदलने का वचन दिया और तुम्हें नयी आत्मा नये दिल में प्रवेश करायेगा। यह दूसरे चित्र में बताया जायगा।

Copyright ANGP

## 2. द्वितीय–चित्र

यह चित्र एक पश्चात्तापी हृदय की दशा का वर्णन करता है जो ईश्वर की खोज में है। चित्र में परी जो तलवार लिये

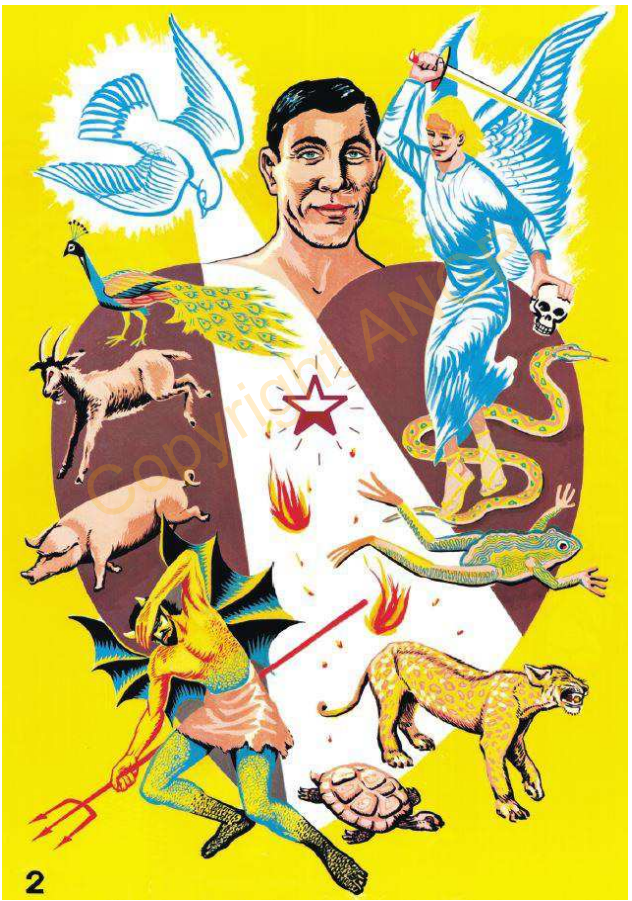


**पश्चातापी और समर्पित दिल**

हुए ह जिसके दोनों ओर धार है। वह इश्वर वचन की याद दिलाता है जो तलवार के धार की भाँति मनुष्य के माँस भडजा को छेदते हुए हृदय तक पहुंचाता है जो मानव हृदय के विचार एवं आशयों को व्यक्त करता है। (हिब्रू 4 : 12) ईश वचन हमें याद दिलाता है कि पाप का फल मृत्यु है। मनुष्य एक ही बार मृत्यु को प्राप्त होता है उसके पश्चात् ईश्वर के न्याय विधान में पहुंचता है। (हिब्रू 9 : 27) पापी एवं नास्तिक को (अग्नि कुंड जो गंधक एवं चूना से परिपूर्ण है) प्राप्त होता है। देव कन्या के दूसरे हाथ में कपाल है जो हमें स्मरण दिलाता है कि हम सब नश्वर हैं। हम जिस काया को इतने प्रेम से वस्त्रा न्वित कर, भोजन से पोषण करते हैं। जिसकी विषय वासनाओं की तृप्ति करते है। वह बाद में काल के पाश में नष्ट होता है। इस निर्जीव काया में हो प्राकृतिक नियम द्वारा सीड़ना कोडे पड़ना आदि होता है जब कि प्राण एवं आत्मा अमर है और देव न्याय के दिन प्रत्यक्ष होता है। यहाँ पर पापी भगवान के उपदेश को ग्रहण करके ईश्वर प्रेम को स्वीकार करने के लिये हृदय कपाट खोलता है। वह पवित्र आत्मा पापी के अंधकार पूर्ण हृदय को प्रकाशित करती है तो अंधकार को पूर करता है जब दिव्य प्रकाश करी है दिव्य ज्योती उसके ..... प्रवेश करके समस्त अंधकार को दूर करती है जब दिव्य प्रकाश दूर करी है तो अंधकार अपने आप निष्कासित होती है। अंधकार या पाप को विभिन्न पशुओं के रूप में दिखाया है। जिन्हें दूर होना है अतः प्रिय पाठक ईशु के दिव्य ज्योति को

Copyright ANCP

जो संपूर्ण विश्व की ज्योति है, अपने हृदय में प्रविष्ट होने दो जिससे पाप एवं अंधकार, अज्ञानता दूर होने दो जैसा कि चित्र में दिखाया गया है।

ईशु ने कहा, 'मैं संसार की ज्योति हूँ वह मेरा अनुसरण करे, यह विश्व अज्ञानता के अंधकार की ओर न चले।' (जान 8: 12)

तुम कभी भी अपने अंदर की अज्ञानता रूपी अंधकार को दूर नहीं कर सकोगे अपने प्रयत्नों के द्वारा या अपनी बुद्धी द्वारा या लोगों के विचारों के द्वारा सबसे सरल, सहज मार्ग यही है कि ईशु कृपा के द्वारा वह दिव्य ज्योति अपने में जगाओ और देखो अंधकार अपने आप दूर हो जायेगा। चंद्रमा या नक्षत्र कुछ सीमा तक हमारी सहायता करते हैं लेकिन जब सूर्योदय होता है तब सभी नक्षत्र विलीन होकर यह संसार प्रकाशमान होता है। ईशु का प्रकाश सूर्य के प्रकाश के समान है। जब ईशु जेरूसलम के मंदिर में प्रवेश किया तब उन्होने सभी भेड बैल, कबूतर आदि को बेच कर धन को देकर कहा "यह निश्चित है मेरा घर प्रार्थना मंदिर है। पर यह चोर-उच्चकों का अड्डा बना हुआ है। (माट 21 : 13) तुम्हारा हृदय भगवान का मंदिर है घर है। पर उसमें विकसित है उसे सुन्दर बनाओ प्रकाशमान करो प्रेम एवं आनंद से। ईसा केवल हमें क्षमा करने के लिये ही नहीं आया है। परंतु हमें पाप के जंगल से

Copyright ANCE

मुक्त करने को आया है। अगर ईसा तुम्हें मुक्त करते हैं तो वास्तव में तुम मुक्त हो गये हो।

### 3) तृतीय चित्र या तीसरा तस्वीर

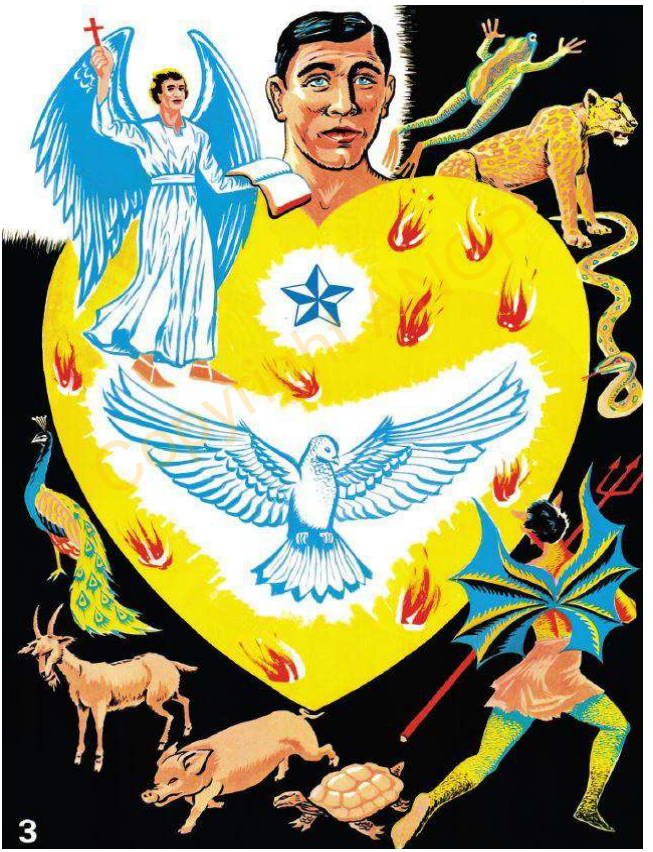


## पश्चातापी दिल

यह तस्वीर दिल के उस दशा का वर्णन करता है जिसे पश्चातापी पापी कहते हैं। वह अब अच्छे और बुरे फल को, जो उसके पापों का परिणाम है। ईशु के क्राँस पर देखता है। जिस पर ईशु मर गये थे। क्राँज को लिये हुए देव दूत अब उस आदमी के दुःखी दिल को दिलासा देता है जो अपने पापों को धोने का प्रयास कर रहा है। वह देखता है उसकी मोहब्बत भगवान ईशु के प्रेम में मिलते हुए देखता है। यह प्रेम उसके हृदय को पिघलाता है। विशेष कर उस समय जब वह जानता है कि प्रभु ईशु उसके पापों का हरने के लिये आया है। वे उसके लिये एक पापी वृक्ष पर भी मरने को तैयार है। दर-असल ईशु हमारे पापों के कारण क्रास पर हाथों और पैरों में कीले ठुकवा कर सिर पर काँटों का सेहरा पहन कर मर गये है। हर एक पश्चातापी व्यक्ति इस बात को जानता है। वह प्रभु के वचना को पढ़ने से उसे अपना रूप स्पष्ट आरसी के देखने जैसा दिखाई देता है। उसे पता चलता है कि वह प्रभु से कितना दूर हो गया है। वह उसके वचनों को कहाँ तक पालन कर रहा है। वह दुःखी होकर आँसुओं सें जीसस से प्रार्थना करता है मुझे अपने पास खींच लो। ईश्वरीय प्रेम और शांति उसके दिल में प्रवेश करती है। तब वह सचता है।

प्रभु ऐसु का खून हमारे सभी पापों को साफ करता है। (1.जान 1 : 7) 'ईश्वर भग्न हृदयों में प्रवेश करता है। और एकदिव्य आत्मा उसकी रक्षा करती है। (पास्लाम 34 : 12)

पुनः प्रभु वचन धोषित करता है। ऐसे आदमी को चाहे वह गरीब क्यों न हो उसकी देख भाल करता हूँ जो मेरी वाणी पर काँपता है। (आइसाक 66:) पवित्र आत्मा जीसस के शब्दों को गुनगुनाती है। "हे पुत्र पुत्रियों खुश रहो तुम्हारे पापों को माफ कर दिया जायगा।" वह क्रॉस की ओर देखने से उसे पता चलता है कि जीसस का खून उनके पापों को भी गल्तियों को ले रहा है और ईशु का जन्म हमारे दुःख और अपराधों और पापों को दूर करने के लिये हुआ है। हमारे अपराधों के लिये उन्हें धायल किया गया। ... ... ... (ईसा 53)

दिव्य आत्मा और प्रभु प्रेम हमारे हृदय को अपने वश में ले लेता है। जैसे हो विश्वास के साथ क्रॉस की और उसे अनुभव होता है कि उसके सभी पापों को दिलासा देता है कि ईसु का रक्त, देव पुत्र उसके सभी पापों को साफ कर रहा है। (1 जान 1 : 7) वह अब निश्चित है कि ईसु में उसका विश्वास खतम नही होगा उसे अमरता मिलेगी। (जान 3 : 16) उसके लिये ईसु कहते हैं।"

पापों को माफ कर दियां गया है। और उनके दया के पात्र है। वासना काम से भरा हुआ यह शरीर अब ईश्वरीय प्रेम के लिये व्याकुल है। और उस सेवा के लिए प्रस्तुत है "जो सबसे पहले प्यार करता है।" इस संसार से प्रेम करने के बदले ईश्वर से प्रेम करने लगता है।

इस प्रकार इस तस्वीर में पशु पाप के प्रतीक है। जो अब दिल से बाहर है। फ़िर भी शैतान अपने घर भाग्ने उस

Copyright ANGP

आदमी को धोड़ना नहीं चाहता है। वह पीछे मुड़ कर देखता है और किसी तरह जगह पाना चाहता है। इसी लिये प्रभु ईसु हमें चेतावनी देता है कि हम देखें और प्रार्थना करें जिससे शैतान या पाप बुद्धि हम से दूर भागे।

## 4) चौथा तस्वीर

इस चित्र में उस ईसाई का वर्णन है। जो ईसा के त्याग और बलिदान से पूरा शांति प्राप्त किया है। इसलिये उस ईसा के प्रकाश का वर्णन करता है। उससे अधिक कुछ नहीं है। "हे ईसा! हमारी रक्षा करो जिसने संसार भर के सभी पापों को अपने में ले लिया है। (गाल 6) ईसा क्रास पर मर गये और हम लोग भी पाप को मार डाले और अच्छे काम के लिये जिंदा रहें। (1. पीटर 2 : 24) एक ईसाई इस संसार में क्रॉस पर लटकता है। पापों को धोने के लिये। हम लोगों को आदेश हैं। 'आत्मा की आवाज सुनो काया काम के लिये अपना जीवन नहीं है। जिस खम्भे पर प्रभु ईसा को लटकाया गया उनके कपड़ों को निकाल दिया गया जो इस चित्र में है। जिस डंडे से उन्हें क्रूरता के साथ धायल किया गया था वह इस दिल के चित्र में है। उन्हें हमारे बुरे कामों के कारण मारा गया क्यों कि हमारी शांति या अमन उनको दंडित करने पर आधारित था। हिराडे और उसके शिष्य उनकी हँसी उड़ाये। उनको पीटने के बाद एक काँटों का ताज सिर पर

Copyright ANSP

गाड़ कर, दाहिने हाथ में एक तीर दे कर राज्याधिकारी के आगे सिर न झुका कर प्रभु के आगे सिर झुकाये और उनकी

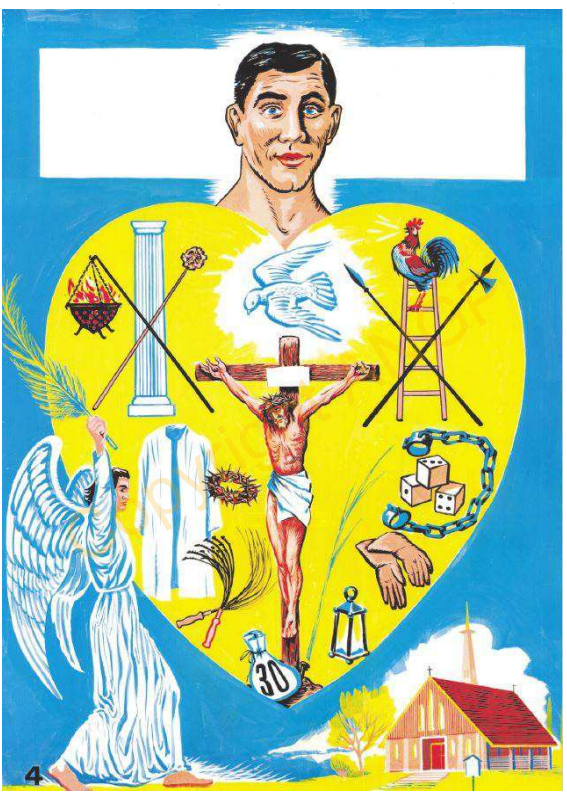


## क्रास के साथ ईसा भसीह्

हँसी उड़ाये कहे,'' हे यहूदियों के राजा। उनके सिर पर अंडे फोड कर और उस तीर को उनके हाथ से छीन लिया और तीर

के सिर पर मार कर निर्लक्ष हँसी हँसते हुए, ले जाकर शूली पर चढ़ाये।

वहाँ और कई ईसाई थे जो गिरिजा घट में प्रार्थना करते रहे। प्रभु के कष्टों के हिससे दार बने, प्रभु गीतों को गाये परंतु उनके बुरे काम उन्हें कष्ट पहुँचाते रहे। "केवल प्रभु प्रभु कहने से स्वर्ग में नहीं पहुँचते परंतु प्रभु इच्छा से जन्नत में पहुँचते हैं। (माट 6 : 21-27)

इस तस्वीर में हम देखतें हैं कि जूठा के धन की थैली है। जिसने ईसा को बेचा केवल तीस चाँदी के सिक्कों के लिये। क्यों कि पैसे के मोह ने उसके दिलो दिमाग पर कब्जा कर लिया और उसे अंधा बना दिया। लालटेन, लोहे के सांकल आदि हमें बतातें हैं कि ये सब उस बंदी ईसा के लिये उपयोग किया था। सिपाहियों द्वारा प्रयोग किया गया पासा खेलने का गिलास है। जो जुआ में खेला जाता है। जुआरी उनके कपड़ों पर भी पासे का गिलास फेंकें इस प्रकार ईश्वर के वचनों को पूरा करके कहा" वे मेरे वस्त्रों को लिये ओर मेरे पदचिह्न उनके लिये अधिक मूल्य वान है। (पासालम् पास्लम 22 : 18) वे सभी कुछ ईसा से ले लिये परंतु वे स्वयं इनकार किये कहे, "हम लोग उस आदमी के शासन को स्वीकार नहीं करेंगे।"

दर असल मानवता ईस्वर से सब प्रकार के वर पाना चाहती है। वर्षा सूर्य किरण आदि परंतु वह ईस्वर के अधीन नहीं रहना चाहती। कई लोगों के लिये प्रभु केवल कठिनाइयों

Copyright ANCP

में सहायता करने के लिये हैं। दुःख में सांत्वना देने के लिये है।

भाले से सिपाहियों के प्रहार करने पर ईसा के बगल दिल में 'वहाँ एक पानी और खून दोनो हीं बाहर बह निकले। (जाँन 19-33-37) कौवा के काँव से पहले पीटर तीन बार जीसिस को नहीं कबूला परंतु बाद में बहुत रोया पश्चात किया। क्या तुम ईसा से अपने कान और वचन से माम रहे हो। या लोगों के सामने ऐसा करने में तुम्हें शरम लग रही है। ईसा ने कहा, "जो भी मेरे और मेरे व्यक्तियों के सामने अपनी गल्ती को कबूल करेगा उसके लिये मैं परम पिता परमेश्वर के सामने कबूल करूँगा। जो मेरे सामने अपने दोंषों को स्वीकार करता है। उसके लिये मैं ईश्वर परम पिता के सामने स्वीकार नहीं करूँगा।
(माट 10 : 32 : 33)

ईसा ने कहा जो इस शूली था क्राँस को नहीं मानता है। मेरा अनुकरण करता है। वह मेरे योग्य नहीं है।" (माट 10 : 38) वे हो योग्य है ईश्वरीय वर से पूरित है जो ईसा के साथ पत्थर पर खड़े हो सकते है।

पत्थर का युग खड़े हो पोधे रह गया
मुझे तुममें छिप जाने दो
मेरा खून और पानी
जो साथ साथ बहता है।

Copyright ANCP

लोगों के पापों को धोने दो
शक्ति और दोष को साफ करने दो ।

## 5) पाँचवा चित्र

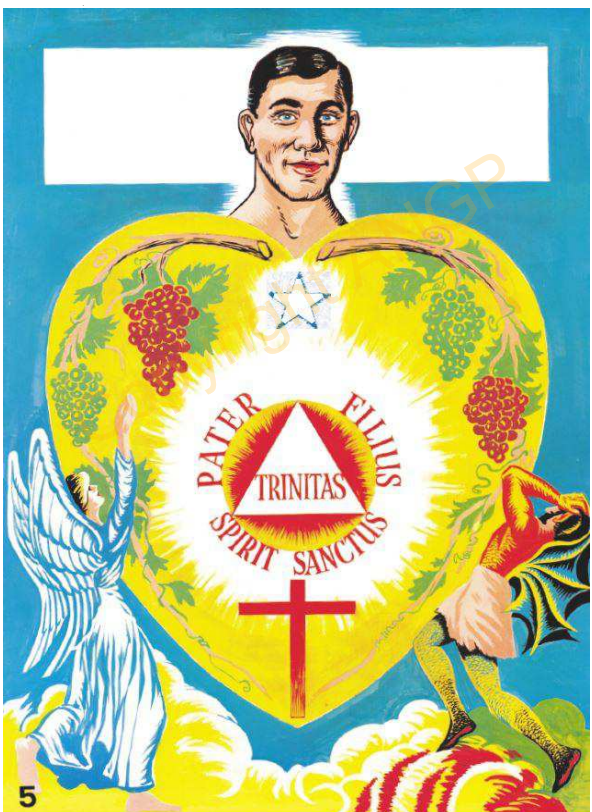


# खुदा का दरगाह

इस चित्र में ईसा की कृपा से एक पवित्र आत्मा के हृदय को दिखाया गया है अब यह परम पिता, पुत्र, और पवित्र आत्मा का मंदिर बन गया है। प्रभु ईसा के वचन के अनुसार, अगर आदमी मुझ से प्रेम करता है। प्रभु के वचनों का पालन करता है तो परम पिता परमेश्वर उससे प्रेम करेगा, वह उसके पास जायगा और हमारा धट उससे वह अच्छा बनेगा।' (जान 14 : 23) ईश्वर ईसा के द्वारा उस आदमी को अर्शीवाद देगा, आदर करेगा ऊँचा उठायेगा।

अब हृदय ईश्वर का मंदिर बन गया है। पाप को दूर भगा दिया गया है। शैतान के रूप में जो कई जानवर उस पर कब्जा किये हुए थे। परम पिता वहाँ निवास करता है। हम पवित्र आत्मा को देखते है। सत्य की आत्मा घर कर गयी है। पाप की कुर्सी जिस हृदय में है अब वह एक सुंदर बगीचा और सुंदर फल देने वाले वृक्षों के रूप में है जो अब प्रेम, खुशी, शांति, दया, सहानुभूति, सज्जनता, अच्छाई, विश्वास, सहिष्णुता नम्रता का फल दे रहीं है जो प्रभु और मनुष्य को प्रसन्न करने वाले है। अब वह फल देने वाली शाखा बन गयी है। प्रभु ईसा इस फल देने वाले हृदय का रहस्य यही है कि वह ईसा में है। ईसा और उनके वचन उसमें है। (जान 15 : 1, 10)

वह पवित्र आत्मा द्वारा पवित्र किया गया है। काम और वासना पर विजय पा लिया है। उस बूढ़े को शूली पर डाल दिया गया है। पवित्र आत्मा के सहारे वह आत्मा की आवाज

Copyright JNGP

को बल देता है और इंद्रियों पर विजय पाता है। वह ईसा के वचनों में विश्वास रखता है वह इस संसार की गति से कोई संबंध नहीं है। वह इस संसार रूपी आकर्षणों पर विजय प्राप्त करता है। वह ईसा को प्राप्त करने की इच्छा से जिंदा रहता है। वह केवल प्रभु के लिये जीता है और ईश्वर उसे अमर स्थान देता है। "जो हृदय से साफ रहते है वे ही प्रभु को देखतें हैं। (माट 5 : 8) डेविड राजा अपने बेशुमार धन दौलत ऐश्वर्य, शत्रुओं पर विजय पा कर भी वह अपने अंदर के लडाई से परेशान था और दिल के अदर हर समय पश्चाताप करता था और प्रार्थना करता था।" मेरा हृदय साफ रहे, हे प्रभु मेरे अंदर एक नया और उचित आत्मा को भेजो। (पास्म 51 : 10) कोई भी अपने दिल को साफ नहीं कर सकता है। उचित पश्चाताप द्वारा ही साफ हो सकता है। ईश्वर ही एक नये और पवित्र दिल को दे सकता है। केवल चीथड़ों को जोड़ने से हृदय ईश्वर के रहने का स्थान नहीं बन सकता है। वह केवल उसी को सहायता कर सकता है जो उसे वचन देता है, "तब मैं उसपर साफ पानी को छिड़क कर तुम्हें स्वच्छ कर सकता हूँ। एक नये दिल को दूँगा, नयी आत्मा तुम्हें दूँगा। तुम्हारे पत्थर और काले दिल को मैं ले लूँगा और तुम्हे मेरे मूर्ती के पास ले जाऊँगा और निर्णय वाले दिन तुम्हारी सहायना करूँगा।" (आइजक 36 : 25 : 27) यह न्यू टेस्टामेंट का अर्थ है जिसे ईसा के खून से ईश्वर ने बंद कर रखा था।

Copyright ANGP

इस चित्र में देवदूत फिर से दिखाई देती है। देवदूत उस व्यक्ति को अमरत्व देना का संदेश देतीं है। वह उसे हर समय याद दिला कर भयभीत करतो है कि उसे प्रभु से डरना चाहिये। (पास्म 34 : 7; 91 : 11; जान 6 : 22; माट 2 : 13; 13 : 39; एकटस 5 : 19; 12 : 7-10).

इस चित्र में शैतान को भी दिखाया गया जो दिल के समीप खड़ा है। अवसर की खोज में है। कब समय मिले कि दिल के अंदर घुस पड़ूँ। इसीलिये हम लोग प्रार्थना करतें हैं, बुरे समय में, शैतान के सिंह के गर्जना की तरह प्रवेश करने के लिये प्रयत्न करता है। (1 पीटर 5 : 8) कभी कभी वह देवदूत के रूप हमें धोखा देने का प्रयत्न करता है। किंतु निग्रह से हम उससे दूर हो सकतें है। (जेम्स 4 : 7)

Copyright ANCP

— × —

## 6) छटवा चित्र

इस चित्र मैं एक बुरे काम करने वाले का बुरा चित्र है। एक बंद आँख दिखाती है कि वह ईसाई जीवन से ठंड़ा और सुप्त है दूसरा आँख बेशरम होकर इस सांसारिक आकर्षणों से प्रेम करती है। अपने अंदर का उजाला मंद होता है। उसके हृदय के अंदर के चिह्न ईसा के साथ दुःख झेलने को प्रस्तुत है वह पतन की ओर है। वह उचित मार्ग से नहीं चल रहा है।

वह उत्तेजनाओं से घिरा हुआ है वह उनसे लड़ने के बजाय उनके अधीन हो रहा है वह भगवान की आवाज को सुनने के

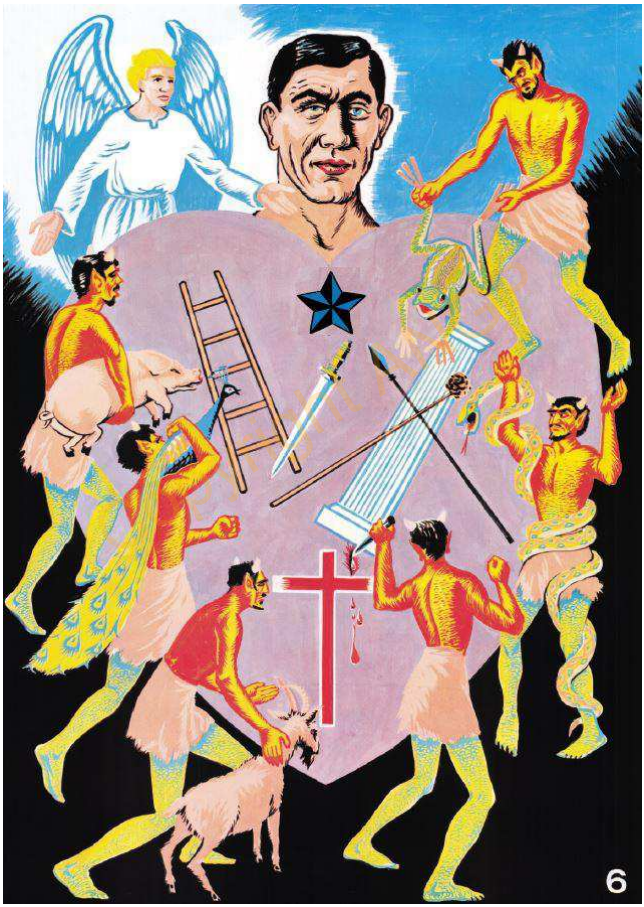


मोही और विभक्त हृदय

बजाय वह उत्तेजन वासना के वचनों को सुन रहा है। फिर भी वह गिरजाघर जाता है और धर्म की आड़ में सांसरिक इच्छाओं को छिपाता है इस प्रकार उसका मन दोहरा हो जाता है और दो विचार धाराओं के मध्य ठहरता है। वह संसार की ओर झुकता है और झुठलता है कि वह ईश्वर से प्रेम करता है जो तारा उसके दिल में है उसका प्रकाश क्षीण होता है। क्राँस को वह खुशी से नही लेता है। वह उसे अनच्छित और भारी लगता है। उसका विश्वास टूटता है। वह प्रभु से उस आत्मीयता के साथ प्रार्थना नहीं कर पाता है। इस तरह वह दिल की आवाज को दबा कर काम वासनाओं और इंद्रियों की पाश में आजाता है। वह इस सांसारिक विषयों में अधिक प्रसन्न रहता है और प्रभु के अनुयायियों के साथ खुश नहीं रह पाता है।

मोर की आत्मा घमंड को सूचित करती है और दिल में प्रवेश करने का प्रयास करती है। वह भूल जाता है कि वह प्रभु कृपा द्वारा ही दूतता पवित्र हुआ और एक घमंडी ईसाई बन जाता है। मद प्रवेश करने का प्रयत्न करता है। किसी मित्र के साथ या कभी कभी शराब पीने से कोई नुक्सान नहीं है। उसका आध्यात्मिक जीवन में कोई फरक नहीं पड़ता है। काम वासना धर कर जाता है इसी कारण वह बेहूदे मजाक को पसंद करने लगता है।

Copyright ANGP

इस तरह बुरे चित्र, बुरे विचार और नाच घर, इस दुनियाँ के रंगेलियों में अपना मन डुबा लेता है। ये सब नसीहत शैतान से मिलता है जो बतलाता है एक पाप कोई पाप नहीं है।

आस्तव में इस प्रकार जंगली विचार रूपी पक्षियों को घर करने से हमारा हृदय दूषित हो जाता है और हम बुरे काम करते जाते हैं। अगर पाप को हम एक अंगुली दिखाते है तो वह पूरा हाथ पकड़ लेता है और अंत में दिल पर कब्जा करके उसे जहन्नुम बना देता हैं। इसलिये भगवान की चेतावनी हैं कि तुम काम विषय वासना से दूर रहो, कोई पाप काम मत करो। तुम विजेता ईसा के पास जाओ।

इस चित्र में तलवार के द्वारा हृदय को घायल कर रहा है इसका अर्थ है जो ईसाई धर्म के विरोधी एवं मजाक उडाने वाले में है। वे अपने बुरे जबान और मजाकिया ओठों से ईसाईपन को नुक्सान पहुँचाते हैं और ईसाइयों के दिलों को घायल करते है। यह आघात दोहरे व्यक्तित्व वाले लोग नहीं सह सकते है। वे ईश्वर से अधिक मनुष्यों से डरते है और लोगों के गुलाम बन जाते हैं और धीरे धीरे ईश्वर से दूर हो जाते हैं, गुस्सा और बुरा विचार उन्हें मुश्किलों और असफलताओं के बीच छोड़ देता हैं। वे दिल में घर कर जाती बुरा ईर्ष्या एक बुरे सर्प के रूप में दिखाई देता हैं जब लोग उन्नतिशील होते हैं। उनके बिना जाते ही घृणा और घमंड को जन्म दे कर दिल में प्रवेश करने का प्रयत्न करती हैं।

Copyright ANCP

धन दोलत से प्रेम करना बहुत आसान हैं और मनुष्य के अंदर धर कर जाती हैं। इसी ईसा हमें चेताते है। "देखो और प्रार्थना करो वह तुम्हारे आवेशों को प्रवेश न करने दे" (माट 26 : 41) "इसलिये उसे सोचने दो और उसके वश में न हो जाय।" (1 कार 10 : 12) हर लोग प्रभु के संपूर्ण बल ओर हथियारों के साथ शैतान का सामना करें है। (ईपी एच 6 : 11 : 18).

## 7) सातवाँ चित्र

इस चित्र में एक बुरे दिल कीं दशा का वर्णन करता है। जो एक बार भगवान के अनुग्रह से प्रकाशित हुआ और फिर पवित्र आत्मा ने उसे अपने वश में करलिया। यह चित्र आदमी के उस दशा का वर्णन करता है कि वह कभी भगवान के सामने अपने को समर्पण नहीं किया और कभी पश्चाताप नहीं किया है फ्रिर भी देवदूत ने उसे "अच्छो सूचना" के रूप में सत्य को प्रकट किया। इस प्रकार उसका हृदय कश हो जाता है वह प्रभु से प्रार्थना करने पर भी वह बहुत बुरा बन जाता है उसके सभी प्रयत्न बेकार होता है।

बुरे विचार से पूछ कर खुद ईसा ने उसकी दशा का वर्णन किया है, "जब गंदी आत्मा निकल जाती है। वह सूखे जगह में जाता है और आराम करता है और जब वह किसी को नहीं पाता है तो मैं अपने घर लौट जाता हूँ और जहाँ से मैं निकला था। जब मैं वापस लौटता हूँ तो अपने सात सात और

Copyright ANCP

बुरी आत्मा को लेकर आता हूँ। उस समय अगर किसी आदमी में प्रवेश करता हूँ तो उस आदमी की दशा और भी




काला दिल और कड़ा दिल

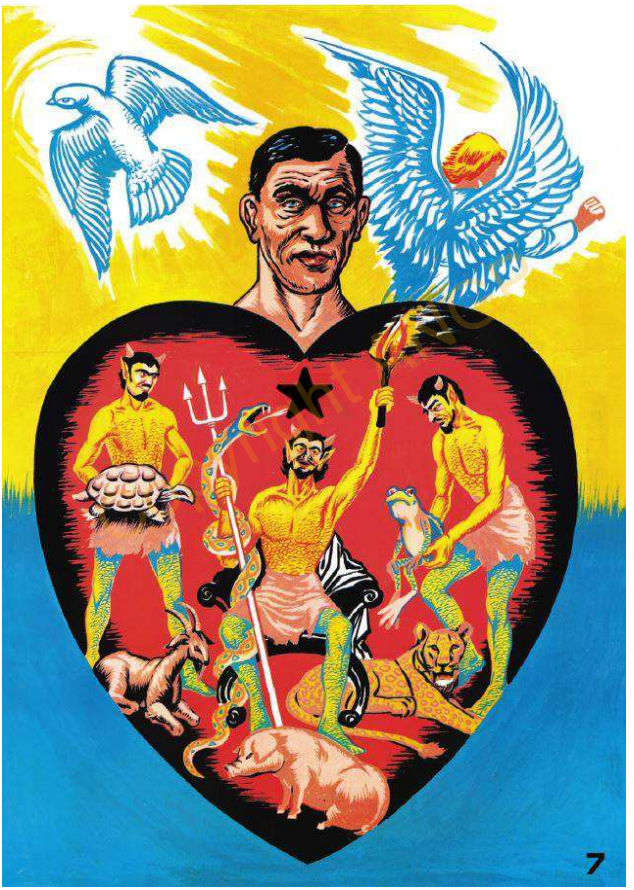

खराब हो जाती है। लूक 11 : 24-26)" यह दशा उसी प्रकार की है जिस प्रकार कुत्ता स्वयं कै कर लेता है। जिसे उस दशा में खा लेता है। (2 पीटर 2 : 22).

ये ग्रंथ पश्चाताप हीन हृदय और बुरे विचार वाले व्यक्तियों की दशा का वर्णन करतें है। बुराई या पाप अपने सभी दनोखा पूर्ण अस्त्रों को साथ उसके दिल में निवास करने के लिये आ जाती है। उसका चेहरा हाँ बता देता है उसके दिल को क्या दशा है वह पवित्र आत्मा, अच्छा कबूतर उसके हृदय को छोडते के लिये मजबूर होता है क्यों कि पापात्मा ओर पवित्र आत्मा एक साथ दिल में नहीं रह सकता ह। यह असभव है कि एक ही हृदय भगवान का मंदिर और शैतान का घर नहीं बन सकता है।

देव दूत और प्रभुवचन पीछे मुड़ कर देखते हैं कि वे उस आदमी में पुनः प्रवेश करने का अवसर मिलेगा। वह किस देव पुत्र की तरह पश्चाताप करेगा। "जो धूमिल प्रकाश उसके दिल और पेट में है। जिसे कोई आदमी नहीं दे सकता है। वह अपने आप आता है और कहता है कि मैंने पाप किया है। मैं आपका पुत्र कहलाने लायक नहीं हूँ। (लूक 15 : 18) परम पिता अपने पुत्र को पश्चाताप करते हुए देख कर उठाता है और क्षमा करता है।

Copyright ANCP

इस चिल में पश्चाताप का कोई चिह्न नहीं है। प्रभु को ओर आकर्षित भी नहीं हैं। ईसा के चरणों में माफी माँगने की इच्छा भी नहीं है। उसकी अंतरात्मा गर्म लोहे को तरह है पर वह प्रभु को आर नहीं मुड़ता है। उसके कान ईसा के अवाज को नहीं सनतें है उसकी आँखें नरक के अंध कूप जो उसके पैरों के पास है नहीं देख सकती है उसके पाप करने में शर्म नहीं है शैतान आकर उसके दिल पर शासन कर रहा है। वह एक राजा की तरह उसके दिल में निवास कर रहा है। वह बाहर से देव दूत, अच्छा, आदरणीय और धार्मिक व्यक्ति वाले रूप की तरह दिखाई देता है।"

Copyright ANGP

परंतु अंदर से एक भरा हुआ आदमी के हड्डियों का ढाँचा है जो बहुत ही गंदा है। (माट 23 : 26) परम पिता सत्य की आत्मा की जगह लेती है। प्रत्येक पशु एक पाप जो एक राक्षस और बुरी आत्मा से उसकें दिल में जगह लिया। वह इन बुरे बिचार और दैत्य से मुक्ति पाना चाहता है। परंतु वे उसे नहीं छोड़ते है। "बह मोसेस की तरह जो केवल एक दो साक्षी के सामने मौत को प्राप्त हुआ जो देव पुत्र उसके बहे हुए खून से उसके बुरे काम धुल गये। वह आत्मा की कृपा से वह घृणा का पात्र नहीं है। (हिब्रू 10 : 28, 29; 2 पीटर 2 :1-14)

यह चित्र तुम्हारे दिल की दशा का वर्णन करता है। मेरे प्रिय साथी बिना किसी देरी पूरे दिले प्रभु से प्रार्थना करो, उनके पास शेओ। वे ही तुम्हारी रक्षा कर सकता है। अगर तुम पश्चाताप कर रहे हो। वह शैतान, राज्ञस और उसके सभी अतिथियों को तुमहारे दिल से बाहर कर सकता है। एक कोढ़ी की तरह तुम्हारे पास आता है।" ईसाने कहा, "मैं तुम्हें साफ करूँगा अगर तुम अपने दिल को बुरे कामों और अंधकार से भरा रखना चाहते हो तो तुम जीवन को छोड़ कर मृत्यु को चुन रहे हो। पाप कभी का वेतन मृत्यु है। (रोमन 6 : 23)

—×—

Copyright ANGP

## 8) आँठवाँ चित्र

इस चित्र एक पापी अपने पापी दिल को लेक मृत्यु की ओर जा रहा है। उसकी आतमा मृत्यु से डर रही है उसे बहुत कष्ट होगा। मृत्यु एक अचानक और समय से पहले आयीं है एक अचानक और समय से पहले आयी है झूटे सुख जो पाप से मिले वे सब चले गये अब भयंकर सच्चाई और पाप को फल भोलने को है नरक के दुःखों उसे भोगना पड़ेगा। किंतु अब वह प्रार्थना करना चाहता है। वे प्रभु से संबंध बनाये रखना

चाहता ह ।   उसके पहले के मित्र उसके पास खड़ा होना नहीं चाहते उनके शब्द अब उसे किसी तरह भी सहायता नहीं कर




पापी कक्ष

सकते उसके बुरे कर्मों के फल न उसके जीवन को बढ़ा सकतें हैं न उसकी आत्मा का उद्धार कर सकतें हैं। न उसके दुःख को बाँट सकतें हैं। अब दैत्य उसे किसी भी तरह प्रभु के ध्यान में नहीं रहने देता हैं।

जिसे वह पहले चाहा, प्रम किया अब उसके अविश्वसनीय जीवन की हँसी उडा रहा है। भगवान की कृपा उम पर से उठ गयी है। वह सबसे बिछुड़ा है या निर्वासित है। वह सोचने लगाता है कि 'भगवान के हाथों में जाना था। प्रभु की शरण में जाना भयंकर है।' (हिब्रू 10 : 31) उसका उद्धार एक गोपालक जो ईसाई नहीं है कर नहीं सकता है। वह ईश्वर के साथ अपने अच्छ बुरे कर्मों के फल को निश्चित करेगा। परंतु अब यह बहुत देर हो गया है। हजारों लोग, बिना किसी प्रभु को ध्यान करने का मैका पाये मर जाते है। इसी लिये जब समय मिले तभी प्रभु ध्यान करना चाहिये। प्रभु वचनों को सुनने, कहने, बचाने के बजाय, मृत्यु के समय पापी न्याय के आवाज को सुनता है। अपने रक्षक जिसको जीवन भर दूर रखा है। कहता हैं मुझसे दूर हो जा, तुम दैत्य और उसके दूतों के अग्नि से मिलने को तैयार हो जाओ। (माट 25 : 41) यह निश्चित है कि मनुष्य मर जातें हैं। न्याय के बाद (हिब्रू 8 : 27)

Copyright AUGP

## 9) नवाँ चित्र

इस चित्र में एक ईसाई के बारे में वर्णन है जो सहनशीलता आवेगों के चंगुल में है। वह ईसा के सहारे पूरे जीवन भर आवेगों से भरा होने पर अंत में कष्ट सहने को तैयार रहता है। वह केवल ईसाई मन में ही प्रवेश नहीं करता पर उसकी रक्षा करता है, सहनशीलता के साथ दाये बाये बिना देखे, बिना किसी तर्क के उसे आगे बढाने का प्रयत्न करता है। वह ईसा तक, सृजनकर्ता, धर्म के विश्वास तक। (हिब्रू 12 : 1, 2) शैतान अपने साथियों के साथ उसे प्रभु से दूर भटकाने का प्रयास करता है। धन का प्रेम, घमंड, अनैतिकता का राक्षस और अन्य शक्तियों को भी दिखलाया गया है। चीता के जगह पर गदहा है जो, पाप जो विभिन्न रूपों में मनुष्य के शरीर में प्रवेश करता है। एक सतर्क ईसाई पाप को धर्म के आवरण में भी पहचान जाता है और प्रभु वचनों को,दान के प्रकाश के द्वारा सत्य की आत्मा की ओर बढ़ता है। एक आदमी हाथ में शराब का प्याला लिये उसके चारों ओर नाचता है उसे इस दुनिया के रंगेलियों और खुशियों को ओर खींचता है। परंतु जो सच्चा ईसाई है। वह इन सब प्रयत्नों को निराश करता है उसे क्रास या शूली और ईसा से दूर नहीं कर सकता है।

Copyright ANOP

दूसरा आदमी इस ईसाई को तलवार भोंकता है। बुरा कहता है, पीछे से काटता है, हँसी उडाता है, डराता है।

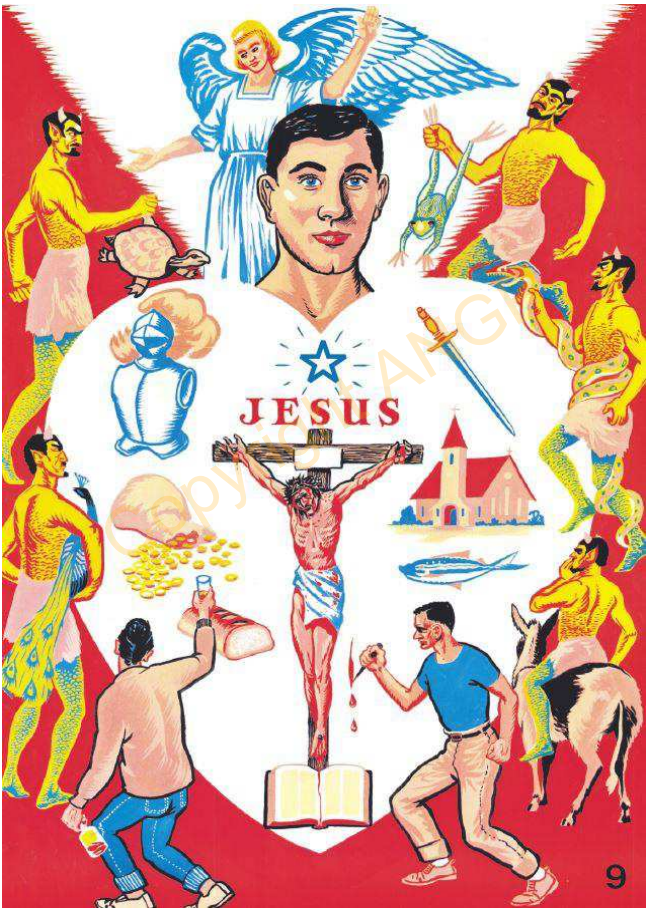




विजयी हृदय

प्रभु के शत्रु उसे हर प्रकार से उसके दिल पर आघात करतें है। परंतु वह उनके लिये मर चुका है। वह उनके वचनों को ध्यान नहीं देता केवल ईश्वर के वचनों को ध्यान से सुनता है। वह ईसा के वचनों को याद करता है। "तुम धन्य हो चाहे जितने भी मुझसे दूर करने के प्रयत्न किये गये, शैतान के सभी प्रयत्नों को निष्फल किया मुझे प्रसन्नता है। स्वर्ग में इसके लिये तुम्हें पुरस्कार मिलेगा।" (माट 5 : 11, 12)

पाप जो माँस या शरीर के द्वारा होता है। ईसाई को ईश्वर से दूर करने का प्रयत्न करता है। वह आत्मा विशस और प्रसन्नता के साथ कहता है। मुझे कौन ईसु प्रेम से अलग कर सकता है ? कष्ट, दुःख, दुर्भिक्ष, मारने, नग्नता, तलवार और विपत्ति मुझे ईसा से दूर नही कर सकती है। (रोमन 8 35) उनके प्रेम से इन सब को मैंने जीत लिया है। (रोमन 8 : 37) दैवी शक्ति से, ईसा की कृपा से मैंने अपने इंद्रियों पर विजय पा लिया है। प्रभु की सहायता से गौरव होगा।

बुद्धि का तारा साफ और प्रकाशमान है। उसका हृदय विश्वास और पवित्र आत्मा से भरा है। देव परी उसे प्रभु वचनों को याद दिलाती है आर जिसकी सहायता से वह सभी कष्टों को अंत तक सह सकता है। "उसके लिये मैं जीवन रूपी पेड दूँगा जो ईश्वरीय बगीचे के रूप में बढ़ेगा। वह

Copyright ANCP

दूसरी बार मृत्यु से नहीं दुःखी होगा। उसको मैं खाने के लिये दैवी भोजन दूँगा, एक सफ़ेद पत्थर दूँगा। जिस पर का एक नया नाम लिखा होगा।" और जो अत तक मेरे काम करता रहेगा उसे मैं दैवी शक्ति दूँगा। मैं उसे श्वेत वस्त्र दूँगा और उस परमेश्वर के समक्ष उसका नाम कबूलूँगा उसके लिए भगवान के मंदिर में एक स्तंभ बाऊँगा और वह और कहीं नहीं जायगा।" उसके लिये मेरे सिंघासन में उसको जगह दूगा और वह मेरे पिता के साथ सिंघासन पर बैठेगा।" (रेव, 2:7 17, 26; 3 : 5, 12, 21)

खुला हुआ पैसों का थैली चित्र में यह दिखलाता है कि उसका हृमय हो नहीं उसका धन भो भगवान के लिये है वह सासारिक वस्तुओं पर धन खर्च करने के बजाव गरीबों की सहायता के लिये और अपन आय का दसवाँ हिस्सा भगवान के भक्तों के लिये और ईश्वर की महिमा के लिये खर्च करता है।

रोटी का टुकड़ा और मछली यह बतलाता है कि वह सादा और सरल जीवन बिता रहा है। वह मदकारी भोजन, प्रेय, अशुद्ध भोजन, लोगों का खून नहीं खाता है। वह अपने धन का अपव्यथ नहींकरता है। अपने शरीर को धूम्रपान सिगरेट, थाहानी कारक औषधि, शराब आदि से नहीं कलुषित करता है और वह अच्छा स्वास्थ्यकर भोजन करता है।

उसका हृदय प्रार्थना मंदिर बनता है वह सभी मौसमों और सभी दशाओं में गिरजा घर की सेनाओं भी में भाग लेता है वह प्रार्थना से प्रेम करता है। चाहे वह परिवार में हो, वह अपने घर के कमरे में हो वह भगवान के ध्यान के बिना नहीं रह सकता है।

खुली हुई किताब बाइबिल है। वह रोज उसे पँढ़ता है उसे विवेक, बुद्धि, बल जीवत, प्रकाशा और अनकही संपदा पाता है वह पुस्तक उसके लिये दिया और शत्रुसे सामना करने के लिये तलवार बन गया है। आत्मा के लिये आध्यात्म भोजन और प्यास बुझाने के लिये पानी अपने को साफ करने के लिये जल और अपने को देखने के लिये आइना है।

वह शूली या क्रास की अपने साथ ले जाना चाहता है। वह सोचता है कि क्रॉस के बिना कोई ताज नही है। वह ईसा से ही इतना आगे बढ़ा है वह इस संसार से परे वस्तुओं को देखना चाहता है। जो शाश्वत है। वह भगवान से मिलना चाहता है वह उस पौधे के समान है। जो पानी देने के कारण बढ़ा है मौसम में अच्छे फल देगा और शराब के शाखा के समान है। जो फल देता है उसे मृत्यु का भय नहीं है। उसका हृदय ईश्वर प्रेम से भरा हुआ है जो उसे पवित्र आत्मा से मिला है।

Copyright ANCP

## 10) दसवो चित्र

ईसा ने कहा, मैं ही जीवन और कब्र से उठाने वाला हूँ जो मुझमें विश्वास करते है । वह करने पर भी जिंदा हं । जो मुझ विश्वास करता है । वहमरने पर भो नहीं मरता है । (जान 11, 25, 26)

जो मेरे वचनो को मुन है, मुझमें विश्वास करता है । वह मृत्यु को प्राप्त करते हुए भी जिंदा है । (जान 5 : 25) 'एक ईसाई को मृत्यु से डर नहीं है । उसके कष्टसे भयभीत नही होता है । "मृत्यु पर वह विजय प्राप्त किया है । हे मृत्यु तुम्हारा डंक मुझे कष्ट तहीं देगा हे कब्र तुम्हारा विजय कहाँ है ? ईश्कर को धन्यवाद है जिसने मुझे विजय दिलाने में सहायता की है (1 कार 15 : 54 : 56)

वह व्यक्ति जो ईश्वर के मार्ग पर चला है । जीवन बिताया है उसे मृत्यु का भय नही है । जब जाने का समय आता है । वह खुशी के साथ मृत्यु का आलिंगन करता है । एपोस्वेल पाल ने कहा "इस संसार को छोड कर ईसा के साथ रहना वह अधिक पसंद करता है" फिल 1 : 23 ।

एक ईसाई ईसा के चेहरे को देखना चाहता है जो उन शरीर के लिये मर गये । पवित्र आत्मा ईसा के वचनों को याद

Copyright Angel

दिलाती है।" तुम्हावे दिल को कष्ट नही, ईश्वर में विश्वास रखो। मेरे पिता के घर में कई भवन है। मैं फिर आ कर

# अमर घर प्राप्त करना

तुम लोगों का स्वगत करूँगा। (जान 14 : 14) 'जो भगवान से प्रेम करता है उनके लिये भगवान आँखों से न देखी, कानों से न सुनी, हृदय में न प्रवेश करने वाली वस्तुओं को तैयार रखता है। (1 कार 2 : 9) प्रभु ईसा के महिमा का वर्णन करने के लिये इस पृथ्वी की कोई भी भापा कें सामर्थ्य नहीं है।

भयकर कंकाल पिछले चित्र में देव परी और देव दूत को दिखाया गया है। वह उचित आत्मा को ईश्वर तक पहुँचाता है। आत्मा और प्राण इस शरीर को छोड कर स्वर्ग के द्वार तक पहुँचता है। जिस आत्मा से प्रभु प्रेम करता है। देवी लोग उसका स्वागत प्रभु के समक्ष करतें है वहाँ प्रभु इन शब्दों से उसका स्वागत करते हुए वचन कहता है।" तुमने एक सच्चे सेवक की तरह अच्छा काम किया है। तुम्हें यहाँ की खुशी में शामिल हो। शैतान के पास अब कोई भी शक्ति नही है।

"प्रभु कृपा महिमावान है जहाँ संत लोंगों की मौत होती है।" (पास्म 116,15) "मुझे स्वर्ग से एक वाणी सुनाई देती है। धन्य है वे जो मर गये है प्रभु के वचनों का पालन करते हुए। वे अब आराम करेंगें और अन्य अनुयायी उसके काम का अनु-करण करेंगें।

0-X-0

Copyright ANGP

## आखिरी चढ़ाई

प्रिय पाठक प्रभु तुम्हें प्रभु से प्रेम करने का दिल दे। वह तुम्हारे लिये कह रहा है मेरे बेटे और बेटियों तुम अपने दिल दे दो। (कहावत 23 : 26) तुम ईसा को अपना दुखी, निराश हृदय को दे दो वह तुम्हें नया हृदय देगा। उसमें नयी आत्मा को देगा। तुम अपने दिल से कभी धोखा मत दे। तुम उनका अनुसरण करो।" जो अपने को सच लानता है। वह सबमे बड़ा मूर्ख है जो चतुराई के साथ चलता है। वह मुक्ति पाता है। (कहावत 28 : 26) अपने पापों को अपनी अच्छाई से दूर करो। "पापों का परिणाम मृत्यू है। प्रभु कृपा से अमरत्व प्राप्त किया जाता है। (रोमन 6 : 23) तुम अपने जीवन को ईश्वर को दे दिये हो।" तुम विश्वास रखो।" इसी कारण के लिये पाल ने कहा टिम 1 : 12" मैं उसे जान्ता हूँ मैंने उसे इस मार्ग लाने के लिई प्रभास किया है। जिस पर मैंने विश्वास किया है। आज तक वह मेरी बातों का अनुकरण किया है।" तुम अपने को पवित्र विश्वास के लिये लायक बनो पवित्र प्राण के लिये प्रार्थना करो, ईश्वर ने प्रेम करते रहो। ईसा की ओर देखते हुए सत्य का जीवन अपना कर, वह प्रभु तुम्हारे स्वागत के लिये है जो राजाओं का राजा और ईश्वर है।

Copyright ANCP

"अब प्रभु तुम्हरे गिरते से बचाता है वह तुम्हे निरपराध साबित करता है। तुम्हें अति प्रसन्नता के साथ प्रभु, रक्षक, महिमावान, शक्तिमान है और सदा के लिये है। अमीन"
(जूड 24, 25)

Copyright ANGP

**A SPECIAL WORD FROM ANGP**

**UN MONDE SPÉCIAL DE L'ANGP**

**UMA PALAVRA ESPECIAL DA ANGP**

**This booklet "The Heart of Man" is available in over 538 languages and dialects spoken throughout the world (Africa, Asia, The Far East, South America, Europe, etc.) Our Heart Book is now also available on cell phones, tablets, etc from www.angp-hb.co.za or as an APP "Heart of Man" on Android phones.**

**Le livre du "Coeur de l'homme" peut etre obtenu en plus de 538 langues et dialectes parles dans le monde entier, a savoir: Afrique, Amerique, Asie, Extreme Orient, Europe. Notre Livre du Coeur est maintenant aussi disponible sur votre Telephone cellular, plaques, etc. de www.angp-hb.co.za ou comme une Application "Heart of Man" sur telephones Android.**

**Este livro "O Coracao do Homem" e obtfdo em mais de 538 linguas e dialectos falados em todo o mundo, a saber: (Africa, Asia, America do Sul, Extremo Oriente, Europa, etc). O nosso Livro O Coração do Homem tambem esta agora disponivel em telefone celular, tablets, etc. de www.angp-hb.co.za ou como um aplicativo "Heart of Man" nos telephones celulares Android.**

Copyright ANGP

**The 10 heart pictures contained in this booklet are also available in the form of large coloured picture charts (86 x 61cm) bound together in a set of 10 pictures. These "Heart Charts" can be obtained with European or African features and are particularly suitable to be used in conjunction with the Heart Book for class-teaching, open air evangelization etc. Kindly contact us to ascertain the latest subsidized price of this chart.**

**Les 10 images du coeur qui figurent dans ce livre peuvent etre obtenues en tableaux de couleur, format 86 x 61 cm, avec des physionomies europeennes ou africaines. Ils peuvent etre utilises en meme temps que le livre du coeur pour des classes bibliques, a**

l'ecole du dimanche ou lors de reunions de plein air. Soyez aimable de nous contacter pour assurer les derniers prix en cours du tableau.

As 10 imagens do coracao, contidas neste livro podem ser obtidas num conjunto de 10 imagens em colorido no tamanho de (86 x 61 cm). Estes "Cartazes do Coracao podem ser obtfdos com caracterfsticas Europeias e Africanas e podem ser usados em conjuncao com o mesmo livro em classes de ensino biblico, evangelizacao ou ao ar livre. Agradeciamos que nos contacta- se para confirmacao do ultimo preco dos cartazes.

Kindly write to us if you are able to assist us with further translations of our free Gospel literature, informing us of the language into which you could translate this Gospel literature. Your assistance would be appreciated.

Copyright ANGF

If you have found salvation in Christ, or have been otherwise blessed through our Gospel literature, please let us know. We would like to thank God with you, and remember you further in our prayers.

Nous vous invitons a nous contacter pour faire des arrangements concernant de nouvelles traductions de notre litterature, nous informant de la langue dans laquelle vous pouvez traduire cette litterature evangelique. Votre aide sera beaucoup appreciee.

Si vous avez trouve le salut en Christ ou si vous avez ete beni par notre litterature, nous vous prions de nous le faire savoir. Nous aimerions remercier Dieu avec vous et prier pour vous.

Nos vos convidamos a nos contactar, afim de fazer qualquer arranjo concernente a novas traducoes de nossa literatura em outras lfnguas. Vossa assistencia sera muito apreciavel.

Se tem encontrado a salvacao em Cristo, ou se tem sido abencoado por intermedio da nossa literatura evangelica, faca o favor de nos

informar. Pois nos gostarfamos de agradecer a Deus juntamente convosco, e lembra-lo sempre em nossas oracoes.

For free Gospel literature, books and tracts in over 538 languages, write to:

Pour obtenir gratuitement de la litterature evangelique, des livres et des traites en plus de 538 langues, ecrivez a:

Para obter gratuftamente a literatura evangelica, livros e folhetos em mais de 538 lfnguas diferentes escreva para:


E-MAIL: info@angp-hb.co.za
info@angp.co.za

**ALL NATIONS GOSPEL PUBLISHERS**
**P.O. Box 2191**
**PRETORIA**
**0001**
**R.S.A.**


Copyright ANGP

A Gospel Literature Mission financed by donations
Une Mission de litterature evangelique financee de dons
Missao de literatura Evanqelica financiada por donativos

(Reg. No. 1961/001798/08)